नामांक Roll No.

No. of Questions – **30**

P-01-Hindi (Supp.)

No. of Printed Pages – **8**

प्रवेशिका पूरक परीक्षा, 2018

PRAVESHIKA SUPPLEMENTARY EXAMINATION, 2018

हिन्दी

समय : $3\frac{1}{4}$ घण्टे

पूर्णांक : 40

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

(1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न–पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

(2) सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं ।

(3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें ।

(4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें ।

खण्ड – 1

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

हमें तो ऐसी शिक्षा चाहिए, जिससे चरित्र बने, मानसिक बल बढ़े, बुद्धि का विकास हो और जिससे मनुष्य अपने पैरों पर खड़ा हो सके । हमें आवश्यकता इस बात की है कि हम विदेशी अधिकार से स्वतंत्र रहकर अपने निजी ज्ञान भण्डार की विभिन्न शाखाओं को और उसके साथ ही अँगरेजी भाषा और पाश्चात्य विज्ञान का अध्ययन करें । हमें यांत्रिक और ऐसी सभी शिक्षाओं की आवश्यकता है, जिनसे

उद्योग–धंधों की वृद्धि और विकास हो, जिससे मनुष्य नौकरी के लिए मारा–मारा फिरने के बदले अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पर्याप्त कमाई कर सके और आपात्काल के लिए संचय भी कर सके । सभी प्रकार की शिक्षा का उद्देश्य 'मनुष्य' निर्माण ही हो । आज हमारे देश को जिस चीज की आवश्यकता है, वह है लोहे की माँसपेशियाँ और फौलाद के स्नायु व दुर्दमनीय प्रचंड इच्छाशक्ति जो सृष्टि के गुप्त तथ्यों और रहस्यों को भेद सके और जिस उपाय से भी हो अपने उद्देश्य की पूर्ति करने में समर्थ हो ।

1. सभी प्रकार की शिक्षा का क्या उद्देश्य है ? ½

2. हमें कैसी शिक्षा चाहिए ? ½

3. आज हमारे देश को किस चीज की आवश्यकता है और क्यों ? **1**

निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

स्वर में पावक यदि नहीं, वृथा वंदन है,
वीरता नहीं तो सभी विनय क्रन्दन है ।
सिर पर जिसके असिघात, रक्त चन्दन है,
भ्रामरी उसी का करती अभिनंदन है ।
    दानवी रक्त से सभी पाप धुलते हैं,
    ऊँची मनुष्यता के पथ भी खुलते हैं ।
वे देश शान्ति के सबसे शत्रु प्रबल हैं,
जो बहुत बड़े होने पर भी दुर्बल हैं ।
हैं जिनके उदर विशाल, बाँह छोटी है,
भोथरे दाँत, पर जीभ बहुत मोटी है
    औरों के पाले जो अलज्ज पलते हैं,
    अथवा शेरों पर लदे हुए चलते हैं ।

4. किसका विनय क्रन्दन के समान है ? ½

5. 'असिघात' शब्द का अर्थ बताइए । ½

6. देश की शान्ति का सबसे प्रबल शत्रु किसे बताया गया है ? 1

खण्ड – 2

7. दिए गए बिंदुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग **300** शब्दों में सारगर्भित निबंध लिखिए : 4

(क) कन्या भ्रूण हत्या

(i) प्रस्तावना

(ii) कन्या भ्रूण हत्या के दुष्प्रभाव

(iii) कन्या भ्रूण हत्या के कारण

(iv) रोकने के उपाय

(ख) इन्टरनेट : वरदान या अभिशाप

(i) प्रस्तावना

(ii) इन्टरनेट का वर्तमान स्वरूप

(iii) इन्टरनेट का जीवन पर प्रभाव

(iv) इन्टरनेट के दुष्प्रभाव

(ग) संस्कारों का आधुनिकीकरण

(i) प्रस्तावना

(ii) भारतीय संस्कृति

(iii) भारतीय संस्कृति पर पाश्चात्य प्रभाव

(iv) संस्कारों का पतन

(घ) स्वच्छ भारत अभियान

(i) प्रस्तावना

(ii) स्वच्छता क्यों आवश्यक है

(iii) स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत सरकारी प्रयास

(iv) उपसंहार

8. आपके मोहल्ले में असामाजिक तत्त्वों द्वारा आए दिन लड़कियों के साथ होने वाली छेड़छाड़ की शिकायत करते हुए थानाधिकारी को एक पत्र लिखिए । **2**

अथवा

स्वयं को जयपुर निवासी प्रकाश मानते हुए गीता–पुस्तक–महल दिल्ली को पुस्तकें मँगवाने हेतु पत्र लिखिए जिसमें आवश्यक पुस्तकों के नाम की सूची संलग्न हो ।

खण्ड – 3

9. क्रिया की परिभाषा देते हुए संयुक्त क्रिया को समझाइए । **1**

10. 'किसान ने खेत जोता ।' वाक्य में कारक, काल व वाच्य बताइए । **1½**

11. निम्न शब्दों का विग्रह करते हुए समास बताइए : **1**

(i) यथाशक्ति

(ii) घनश्याम

12. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए : **1**

(i) शीतल फलों का रस पीजिए ।

(ii) चोर दण्ड देने योग्य है ।

13. ‘ईद का चाँद होना’ मुहावरे का अर्थ बताते हुए वाक्य प्रयोग कीजिए । **1**

14. ‘कभी गाड़ी नाव पर, कभी नाव गाड़ी पर’ लोकोक्ति का अर्थ लिखिए । **½**

खण्ड – 4

15. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **3**

ऊधौ मन माने की बात ।
दाख छुहारा छांड़ि अमृत फल, विषकीरा विष खात ।।
ज्यों चकोर कों देई कपूर कोउ, तजि अंगार अघात ।।
मधुप करत घर फोरि काठ मैं, बंधत कमल के पात ।।
ज्यौं पतंग हित जानि आपनो, दीपक सौं लपटात ।
सूरदास जाकौ मन जासौ, सोई ताहि सुहात ।।

अथवा

झहरि झहरि झीनी बूँद हैं परति मानो,
घहरि घहरि घटा घेरी है गगन में ।
आनि कह्यो स्याम मो सों, चलौ झूलिबे को आजु,
फूली ना समानी, भई ऐसी हौं मगन मैं ।।
चाहति उठयोई, उड़ि गई सो निगोड़ी नींद,
सोय गए भाग मेरे जागि वा जगन में
आँखि खोलि देखौं तो, घन हैं ना घनश्याम,
वेई छायी बूँदें मेरे, आँसु ह्वै दृगन में

16. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । **3**

ईर्ष्या का काम जलाना है मगर सबसे पहले वह उसी को जलाती है, जिसके हृदय में उसका जन्म होता है । आप भी ऐसे बहुत से लोगों को जानते होंगे जो ईर्ष्या और द्वेष की साकार मूर्ति हैं और जो बराबर इस फिक्र में लगे रहते हैं कि कहाँ सुनाने वाला मिले और अपने दिल का गुबार निकालने का मौका

मिले । श्रोता मिलते ही उनका ग्रामोफोन बजने लगता है और वे बड़ी होशियारी के साथ एक-एक काण्ड इस ढंग से सुनाते हैं मानो विश्व कल्याण को छोड़कर उनका और कोई ध्येय नहीं हो । जरा अपने इतिहास को देखिए और समझने की कोशिश कीजिए कि जब से उन्होंने इस सुकर्म का आरम्भ किया है, तब से वे अपने क्षेत्र में आगे बढ़े हैं या पीछे हटे हैं । यह भी कि वे निन्दा करने में संयम और शक्ति का अपव्यय नहीं करते तो आज उनका स्थान कहाँ होता ।

अथवा

रमजान के पूरे तीस रोज़ों के बाद ईद आई है । कितना मनोहर, कितना सुहावना प्रभात है । वृक्षों पर कुछ अजीब हरियाली है, खेतों में कुछ अजीब रौनक है, आसमान पर कुछ अजीब लालिमा है । आज का सूर्य देखो, कितना प्यारा, कितना शीतल है मानो संसार को ईद की बधाई दे रहा है । गाँव में कितनी हलचल है । ईदगाह जाने की तैयारियाँ हो रही हैं । किसी के कुरते में बटन नहीं है । पड़ोस के घर से सुई-धागा लेने दौड़ा जा रहा है । किसी के जूते कड़े हो गए हैं । उनमें तेल डालने के लिए तेली के घर भागा जाता है । जल्दी-जल्दी बैलों को सानी-पानी दे दें । ईदगाह से लौटते-लौटते दोपहर हो जाएगी । तीन कोस का पैदल रास्ता, फिर सैकड़ों आदमियों से मिलना भेंटना । दोपहर से पहले लौटना असंभव है । लड़के सबसे ज्यादा प्रसन्न हैं । किसी ने एक रोज़ा रखा है, वह भी दोपहर तक, किसी ने वह भी नहीं, लेकिन ईदगाह जाने की खुशी उनके हिस्से की चीज है ।

17. 'लक्ष्मण-परशुराम संवाद' के आधार पर तुलसीदास की भाषागत विशेषताएँ बताइए ।

(उत्तर सीमा **200** शब्द) **3**

अथवा

'ऋतु-वर्णन' कविता सेनापति के ऋतुवर्णन का प्रौढ़ और प्रांजल नमूना है । स्पष्ट कीजिए ।

(उत्तर सीमा **200** शब्द)

18. 'गौरा वास्तव में बहुत प्रियदर्शनी थी ।' पंक्ति के आधार पर गौरा के शारीरिक सौन्दर्य एवम् स्वभावगत विशेषताओं का वर्णन कीजिए । (उत्तर सीमा **200** शब्द) **3**

अथवा

'अमर–शहीद' एकांकी के आधार पर सागरमल गोपा का चरित्र–चित्रण कीजिए ।

(उत्तर सीमा **200** शब्द)

निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर **40** से **50** शब्दों में दीजिए :

19. 'प्रभो' कविता में जयशंकर प्रसाद ने 'प्रकृति पद्मिनी का अंशु माली' किसे कहा है और क्यों ? **1**

20. कविता 'मातृ–वंदना' के अनुसार कवि माँ के चरणों में क्या–क्या समर्पित करना चाहता है ? **1**

21. 'माँ ने कहा लड़की होना,
पर लड़की जैसा दिखाई मत देना ।'
उपर्युक्त पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए । **1**

22. 'एक अद्भुत अपूर्व स्वप्न' पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक ने देवालय बनाने का विचार क्यों त्याग दिया ? **1**

23. द्विवेदी जी ने स्त्री–शिक्षा के समर्थन में कौन–कौन से तर्क दिए हैं ? **1**

24. 'मिशनरी युवतियाँ वहाँ आकर थकी सी एक तरफ बैठ गईं – उस पूरे कैनवस में एक तरफ छिटके कुछ बिंदुओं की तरह ।' लेखक ने मिशनरी युवतियों को कैनवस में छिटके हुए बिंदुओं की तरह माना है, क्यों ? **1**

प्रश्न संख्या **25** से **28** का उत्तर एक पंक्ति में दीजिए।

25. 'राजिया रा सोरठा' पाठ के आधार पर बताइए हमें किस नगर में नहीं रहना चाहिए ? ½

26. 'नागार्जुन' की कविता 'कल और आज' में किसका वर्णन है ? ½

27. लोक संत दादूदयाल ने दादू पंथ की स्थापना कहाँ और किस नाम से की ? ½

28. संत पीपा का मन राज–काज से क्यों उचट गया ? ½

29. निम्न दो रचनाकारों का परिचय दीजिए : **1 × 2 = 2**

   (i) नागार्जुन

   (ii) महादेवी वर्मा

30. निम्न यातायात संकेतों का अर्थ बताइए : **½ × 4 = 2**

   (i) 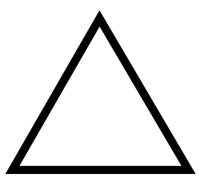

   (ii) 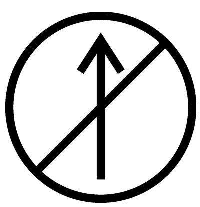

   (iii) 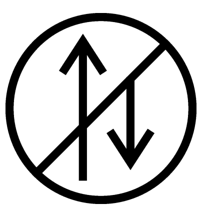

   (iv)